प्रेषक,

सूर्य प्रकाश मिश्र,
उप सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ दिनांक 21 अगस्त, 2025

विषयः- जिला कारागार, सहारनपुर में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी नरेन्द्र पुत्र श्री काबज सिंह, निवासी जनपद-सहारनपुर की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अधीक्षक, (मु0) कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र संख्या-19923/प्रोवेशन-3-फार्म-ए/(एम-07.06.2023), दिनांक 16.06.2023 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, सहारनपुर में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी नरेन्द्र पुत्र श्री काबज सिंह, जो ग्राम-बरसी, थाना-तीतरो, जनपद-सहारनपुर का निवासी है। बंदी ने दिनांक 22.09.2005 को कुरड़ी उठाने से मना करने के कारण 05 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर तमंचे, बन्दूक, रिवाल्वर व राइफल से गोली मारकर प्रदीप कुमार व सतीश कुमार नामक 02 व्यक्तियों की हत्या कर दी तथा 06 अन्य व्यक्तियों को घायल किया। उक्त अपराध हेतु सत्र परीक्षण संख्या-347/2006 में भा0द0वि0 की धारा-302/149, 307/149, 148, 323/149, 504 के अन्तर्गत मा० अपर सत्र न्यायाधीश, कोर्ट संख्या-04, सहारनपुर के आदेश दिनांक 13.02.2009 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 22.09.2022 तक अपरिहार 14 वर्ष, 08 माह, 26 दिन तथा सपरिहार 18 वर्ष, 09 माह, 02 दिन की सजा भोग ली गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, सहारनपुर द्वारा मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी द्वारा कारित अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने, भविष्य में अपराध करने की पूर्ण सम्भावना होने, बन्दी के पुनः अपराध करने में अशक्त नहीं होने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुये बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बन्दी द्वारा दिनांक 22.09.2005 को कुरड़ी उठाने से मना करने को लेकर हुए विवाद के कारण 05 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर तमंचे, बन्दूक, रिवाल्वर व राइफल से गोली मारकर प्रदीप कुमार व सतीश कुमार नामक 02 व्यक्तियों की हत्या करने तथा 06 व्यक्तियों को घायल करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी नरेन्द्र पुत्र श्री काबज सिंह को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

3- अतः उपरोक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि जिला कारागार, सहारनपुर में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी नरेन्द्र (बंदी संख्या-3818/2009) पुत्र श्री काबज सिंह, निवासी जनपद-सहारनपुर के फार्म-ए/लाईसेंस पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए/लाईसेंस पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नकः यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
सूर्य प्रकाश मिश्र
उप सचिव।

संख्या-1051/2025/2680(1)/22-2-2023 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- जिला मजिस्ट्रेट, सहारनपुर।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, जिला कारागार, सहारनपुर ।
3- निजी सचिव, मा0 मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी को सूचनार्थ।
4- निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी को सूचनार्थ।
5- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
ममता श्रीवास्तव
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश संख्या-1051/2025/2680/22-2-2023-17(344)/2024

दिनांक 21 अगस्त, 2025 का संलग्नक

सरकार के आदेश

जिला कारागार, सहारनपुर में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी नरेन्द्र पुत्र श्री काबज सिंह, जो ग्राम-बरसी, थाना-तीतरो, जनपद-सहारनपुर का निवासी है। बंदी ने दिनांक 22.09.2005 को कुरड़ी उठाने से मना करने के कारण 05 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर तमंचे, बन्दूक, रिवाल्वर व राइफल से गोली मारकर प्रदीप कुमार व सतीश कुमार नामक 02 व्यक्तियों की हत्या कर दी तथा 06 अन्य व्यक्तियों को घायल किया। उक्त अपराध हेतु सत्र परीक्षण संख्या-347/2006 में भा0द0वि0 की धारा-302/149, 307/149, 148, 323/149, 504 के अन्तर्गत मा० अपर सत्र न्यायाधीश, कोर्ट संख्या-04, सहारनपुर के आदेश दिनांक 13.02.2009 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 22.09.2022 तक अपरिहार 14 वर्ष, 08 माह, 26 दिन तथा सपरिहार 18 वर्ष, 09 माह, 02 दिन की सजा भोग ली गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, सहारनपुर द्वारा मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी द्वारा कारित अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने, भविष्य में अपराध करने की पूर्ण सम्भावना होने, बन्दी के पुनः अपराध करने में अशक्त नहीं होने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुये बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बन्दी द्वारा दिनांक 22.09.2005 को कुरड़ी उठाने से मना करने को लेकर हुए विवाद के कारण 05 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर तमंचे, बन्दूक, रिवाल्वर व राइफल से गोली मारकर प्रदीप कुमार व सतीश कुमार नामक 02 व्यक्तियों की हत्या करने तथा 06 व्यक्तियों को घायल करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी नरेन्द्र पुत्र श्री काबज सिंह को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा बंदी की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

सूर्य प्रकाश मिश्र
उप सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।